बंशीधर बनाम शंकरलाल

फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से
प्रे. पन्नालाल LTI 17/2/25 मैं विवादित भूमि के संबंध में अब वाद भविष्य में पेश नहीं करूंगा। पन्नालाल	17/2/25	पत्रावली प्रा-पत्र मय मूल तलबी को पेश होने पर पेश हुई। वकील प्रार्थी को प्रा. पत्र पर सुना गया। पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों एवं प्रार्थी वकील को सुनने के पश्चात प्रार्थना पत्र शीघ्र सुनवाई स्वीकार किया जाकर पत्रावली आज नम्बर पर ली गयी। वादी उपस्थित वादी की पहिचान वकील श्री कितोड़ शर्मा ने की है वकील वादी को प्रार्थना पत्र वाद विड्रो पर सुना गया। पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेज का अवलोकन एवं वकील वादी व वादी को प्रार्थना पत्र सुनने के पश्चात न्याय हित में प्रार्थना पत्र वाद विड्रो स्वीकार किया जाता है प्रार्थी/वादी को प्रार्थना पत्र वाद विड्रो स्वीकार होने से दावा वादी खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। उप खण्ड अधिकारी [illegible] (जिला जयपुर)